सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर स्वच्छ भारत मिशन के तहत हो रहे कार्यों की प्रगति जानी।

स्वच्छ भारत मिशन के लिए सीएसआर फंड का करें बेहतर इस्तेमाल : योगी

अफसरों को औद्योगिक घरानों के साथ बैठक कर फंड के सही इस्तेमाल पर जोर देने के निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन और सौंदर्यीकरण के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिल्टी फंड (सीएसआर) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि वे प्रदेश के औद्योगिक घरानों की सूची तैयार कर उनके साथ सीएसआर फंड के संबंध में बैठक करें। साथ ही तेल, इंश्योरेंस कंपनियों के अलावा बैंकों से सहयोग लेकर जिलों में इस फंड से कई विकास कार्य कराए जा सकते हैं। इसके माध्यम से संस्कृत विद्यालयों का पुनरुद्धार भी किया जा सकता है। बैठक

कुंभ से पहले पर्यटन के क्षेत्र में हो इस फंड का उपयोग

में पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस फंड से 5.43 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे अब तक 3507 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। सीएसआर के तहत शौचालयों के निर्माण के लिए प्रायोजक, सहयोगी अपनी इच्छानुसार इकाई चयन के लिए स्वतंत्र हैं। इसके तहत भारत सरकार की वेबसाइट पर लाभार्थीवार निर्मित शौचालय की ऑनलाइन इंट्री भी की जाएगी।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन अवनीश अवस्थी ने पर्यटन में सीएसआर के तहत वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, विन्ध्याचल, चित्रकूट, नैमिषारण्य, इलाहाबाद, गोरखपुर, देवीपाटन, झांसी क्षेत्रों में प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं पर काम तेजी से होगा तभी इसका लाभ कुंभ-2019 में मिलेगा। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने बताया कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2016-17 में 120.34 करोड़ रुपये सीएसआर फंड में अलग अलग कंपनियों ने खर्च किए। इससे स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, आजीविका, पर्यावरण, ग्रामीण विकास जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित की गईं। बैठक में मुख्य सचिव राजीव कुमार और प्रमुख सचिव सीएम एसपी गोयल भी मौजूद थे।